जन संपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 13 फरवरी 2019

अप्लाइड आर्टस मामले में जामिया का आधिकारिक बयान

मीडिया के एक वर्ग में ऐसी रिपोर्टिंग की जा रही है कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया प्रशासन ने कल एमएमएजे मार्ग पर गेट नंबर 15 के बाहर अर्ध सैनिक बलों को तैनात करवा दिया है। विश्वविश्द्यालय स्पष्ट करना चाहता है कि सुरक्षा बलों की तैनाती में उसकी कोई भूमिका नहीं है। सुरक्षा बल तैनात करने का अधिकार क्षेत्र केवल दिल्ली पुलिस का है। हमने दिल्ली पुलिस से सिर्फ यह आग्रह किया था कि वह एहतियाती क़दम के तौर पर गेट नंबर 15 के बाहर सुरक्षा प्रदान कराए, जिससे किसी अनहोनी को रोका जा सके । पुलिस ने एहतियात के रूप में केवल अतिरिक्त बल तैनात किए हैं।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया एक मामले में छात्रों के विरोध का समाधान करने के लिए पहले ही सारे संभावित क़ानूनी क़दम उठा चुका है। लेकिन कुछ बाहरी तत्वों द्वारा समर्थित छात्रों ने वीसी, रजिस्ट्रार और अन्य कार्यालयों के प्रवेश द्वार को बंद या बाधित कर दिया है। ऐसा विरोध कर रहे छात्रों ने कल भी किया और आज भी। छात्र वीसी कार्यालय के सामने गिटार, ढपली आदि लेकर बैठे हैं, जिससे वीसी आफिस एवं प्रशासनिक कार्यालय के सामान्य काम काज में बाधा आ रही है।

विश्वविद्यालय, महिला कर्मचारियों एवं छात्राओं के साथ यौन दुव्र्यवहार को रोकने संबंधी उच्चतम न्यायालय के 02 मई 2016 के निर्देशों का पहले से ही अनुसरण कर रहा है जो उसने विशाखा केस में दिए थे। इस बारे में जामिया यूजीसी के दिशा निर्देशों का भी पालन कर रहा है।

जैसा कि पहले स्पष्ट किया जा चुका है आईसीसी ने अप्लाइड आर्टस की छात्राओं की शिकायत पर कार्रवाही शुरू करदी है और इसके लिए विभिन्न विभागों के छह डीन को लेकर एक फैक्ट फाइन्डिंग कमेटी भी गठित की है, जिसमें तीन महिलाएं हैं। साथ ही निष्पक्ष जांच के लिए श्री हफीज़ अहमद को अवकाश पर भेज दिया गया है। जांच में अध्यापक या छात्रों को दोषी पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा।

विश्वविद्यालय एक बार फिर दोहराना चाहता है कि स्थिति को सामान्य बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। इसके लिए विरोध कर रहे छात्रों के साथ कई दौर की बातचीत की जा चुकी है।

हम मीडिया घरानों, वैब चैनलों, पोर्टल्स से आग्रह करते हैं कि वे विश्वविद्यालय प्रशासन सहित सभी पक्षकारों की बातों को अपनी रिपोर्ट में समाहित करें। विश्वविद्यालय प्रशासन उन मीडिया संगठनों का धन्यवाद करता है जिन्होंने अब तक निष्पक्ष रूप से तथ्यों को पेश किया है।

जामिया प्रशासन एक बार फिर से अपने छात्रों से अपील करता है कि वे अपनी कक्षाओं में जाएं और बाहरी तत्वों के उकसावे में नहीं आएं।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया संयोजक